

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति

प्रलिस के लयः

राष्ट्रीय सुरक्षा परषिद सचवालय (NSCS), व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा, [राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति](#), राष्ट्रीय सुरक्षा नीति 2022-2026

मेन्स के लयः

देश में बढ़ते आंतरक व बाह्य सुरक्षा खतरों हेतु राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिकी आवश्यकता

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

वर्षों के वचार-वमिर्श के बाद भारत ने हाल ही में एक [राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति](#) लाने की प्रक्रया की शुरुआत की है तथा इसके लयि [राष्ट्रीय सुरक्षा परषिद सचवालय \(NSCS\)](#) ने वभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों व वभागों से इनपुट एकत्र करना शुरू कर दया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति:

- **राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिकी समझना:**
 - राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (NSS) एक व्यापक दस्तावेज है जो कसी देश के सुरक्षा उद्देश्यों एवं उन्हें प्राप्त करने के उपायों को बताता है।
 - NSS एक गतशील दस्तावेज है जसि बदलती परस्थितियों एवं उभरती चुनौतियों के अनुकूल होने के लयि समय-समय पर अद्यतति कया जाता है।
- **राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिकी दायरा:**
 - यह आधुनक चुनौतियों एवं खतरों की एक वसित शृंखला का समाधान करता है। इसमें केवल पूर्ववर्ती खतरों के समाधान शामिल हैं, अपत्ति नए, आधुनक युद्ध संबंधी मुद्दे भी शामिल हैं जो आज के परस्पर जुड़े वश्व में महत्वपूर्ण हो गए हैं।
 - इसमें न केवल सैन्य तथा रक्षा-संबंधी मुद्दों जैसे पारंपरिक खतरे शामिल हैं, अपत्ति वततीय व आर्थक सुरक्षा, खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा, सूचना संबंधी खतरे, [महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना \(Critical Information Infrastructure\)](#) में सुनम्यता, आपूर्ति शृंखला व्यवधान एवं पर्यावरणीय चुनौतियों जैसे गैर-पारंपरिक खतरे भी शामिल हैं।
- **भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिकी भूमिका:**
 - भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परदृश्य के समग्र दृष्टिकोण और उपरयुक्त चुनौतियों से नपिटने हेतु एक रोडमैप प्रदान करके, [राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति](#) महत्वपूर्ण रक्षा एवं सुरक्षा सुधारों का मार्गदर्शन करेगी, जसिसे यह देश के हतियों की रक्षा के लयि एक आवश्यक वकिल्प बन सकेगी।

भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिकी आवश्यकता:

- **भारत में राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिकी आवश्यकता:**
 - भारत के लयि राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सैन्य चर्चाओं में बार-बार आने वाला वषय रही है। हालाँक वभिन्न प्रयासों के बावजूद एक सामंजस्यपूर्ण, संपूर्ण सरकारी प्रयास की कमी के कारण इसे अभी तक तैयार एवं कार्यान्वति नहीं कया जा सका है, साथ ही सरकार ने जानबूझकर अपने राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों को सार्वजनक नहीं कया है।
- **गंभीर खतरों और भू-राजनीतिकी अनश्चितताओं के बीच तात्कालकता:**
 - उभरते खतरों की बहुमुखी प्रकृति और वैश्वक भू-राजनीति में बढ़ती अनश्चितताओं को देखते हुए भारत में एक राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति वकिसति करने की तात्काल आवश्यकता है।
- **मौजूदा नरिदेशों और सैन्य सुधारों की भूमिका को संशोधति करने का आह्वान:**
 - पूर्व सेना प्रमुख जनरल ने सशस्त्र बलों के लयि वर्तमान राजनीतिकी दशा की पुरानी प्रकृति और इसे संशोधति करने की

